

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(मसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 17 सितम्बर. 1988/26 भाद्रपद, 1910

हिमाचन प्रदेश सरकार

त ननीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं श्रीद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

ग्रधिसूचनाएं

शिमला-2, 7 दिसम्बर, 1987

संख्या एस 0 टी 0 वी 0 (टी 0 ई 0) (वी 0) (2) 7/85.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में अधीक्षक ग्रेड-III (वर्ग-III वर्ग-III वर्ग-II वर्ग-III वर्ग-II वर

े । संक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्भ — (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं ग्रौद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में ग्रधीक्षक ग्रेड-III (वर्ग-III ग्रनुतविनीय) भर्ती एवं प्रोन्नित नियम, 1987 है।

- (2) ये नियम इस अधिसूचना के राजपत्न में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. पदों की संख्या, वर्गीकरण, वेतनमान, ब्रह्मताएं और भर्ती की पद्धति.—हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में ब्रधीक्षक ग्रेड-Ш के पदों की संख्या, वर्गीकरण, वेतनमान, ब्रह्मताएं श्रीर भर्ती की पद्धति ऐसी होगी जैसी कि उपावन्ध "ग्र" में विनिदिष्ट है।
- 3. निरसन और व्याकृत्ति.—तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में इन नियमों के प्रारम्भ होने से पूर्व अवीक्षक ग्रेड-III के पद के लिए यथा लागू भर्ती और प्राविति नियम एतद्द्वारा निरसित किए जाते हैं:

परन्तु ऐसे निरमन से, कथित निथमों के पूर्व प्रवर्त्तन का उनके ग्रधीन की गई किसी बात या कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

उपाबन्ध "ग्र"

तकनी शी शिक्षा, व्यावसायिक एवं श्रौद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश में श्रधीक्षक ग्रेड-III (वर्ग-III) (ग्रराजपित्ति) के पद के लिये भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

- 1. पद का नाम
- 2. पदों की संख्या
- 3. वर्गीकरण
- 4. वेतनमान
- 5. चयन पद ग्रथवा ग्रचयन पद

eres or in the master of

elija a kapanjija sigraka sa kataloni da. Na 10 Sagarah 1880 njajah kapandisi da.

化温度 化

6. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्रायु

ग्रधीक्षक ग्रेड-III

1 (एक)

वर्ग-III (म्रराजपत्नित)

₹0 750-1300

ग्रचयन

लागू नहीं :

परन्त् सीधी भर्ती के जिए श्रायु सीमा, नदर्थया संविदा पर नियुक्ति सहित, पहले ही सरकार की सेवा में रत अभ्यथियों पर लाग नहीं होगी:

परन्तु यह भ्रीर कि यदि तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को म्रधिक्वय हो भया हो तो वह तदर्थ या सविदा के म्राधार पर नियुक्ति के कारण विहित म्रायु में शिथिलीकरण के लिए पाल नहीं होगा:

परन्तु यह भ्रीर कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए अधिकतम अयु सीमा में उतना ही शिथिलीकरण किया जा सकेगा जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है:

परन्तु यह ग्रीर कि पिंठनक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों क सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पिंठलक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठने के समय ऐसे पिंठलक सैक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में ग्रामेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में ग्रायु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को ग्रनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत

पिन्तक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्म-चारी-वृन्द को नहीं दी जायेगी जो पश्चात्वर्ती ऐसे निगमों/ स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किये गय थे/किये गये हैं और उन पिन्तक सैक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों क प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से ग्रामेलित किये गये हैं/किये गय थे ।

टिप्पगी-1 — सीधी भर्ती के लिए श्रायु सीमा की गणना, उस वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी जिसमें श्रावेदन श्रामंत्रित करने के लिए पद विज्ञापित या नियोजनालयों को श्रीधसुचित किए जाते हैं।

टिप्पणी-2 — अन्यथा सुअहित अभ्यथियों की दशा में सीधी भर्ती के तिए आयु सीमा और अहेताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी।

7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

लागू नहीं।

8. तीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के जिए विहित ग्रायु ग्रौर शैक्षिक ग्रहेत एं प्रोन्नित की देशा में लागू होंगी या नहीं।

म्रायुः लागू नहीं । शैक्षिक म्रईताएं: लागू नहीं ।

9. परिवीक्षा की श्रवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से मनिश्रक ऐसी भौर म्रविध के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसासक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में भौर लिखित कारणों से म्रादेश दें।

10 भर्ती की पद्धति — भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति प्रति-नियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्ध-तियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता। शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा।

11 प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणिया, जिसमें प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा,।

स्रधीक्षक ग्रेड-IV में से प्रोन्नित द्वारा, जिनका (31-12-83 तक की गई तदर्थ सेवा सहित) तीन वर्ष का सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर स्रधीक्षक ग्रेड-IV में से प्रोन्नित द्वारा जिनका (31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा सहित) स्रधीक्षक ग्रेड-IV/लेखाकारों/सहायकों/विष्ठित वेतनमान स्राशुलिपिक के रूप में कम से कम पांच वर्ष का संयक्त सेवाकाल हो ।

टिप्पगी-1.—-प्रोन्निति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-12-83 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, प्रोन्निति के लिए इन नियमों में यथा-विहित सेवाकाल के लिए, निम्निखित शर्तों के ग्रवीन रहतें हुए, हिसाब में ली जाएगी:——

(क) उन सभी मामलों में जहां कोई किनिष्ठ व्यक्ति संभरण पद में ग्रपने कुल सेवाकाल (31-12-83 तक की गई कुल तदथं सेवा को शामिल करके) के ग्राधार पर

उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार के लिए पात हो जाता है, वहां उससे विश्ष्ट सभी व्यक्ति विचार के लिए पात समझे जाएंगे ग्रौर विचार करते समय कनिष्ठ •यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

षबन्तु प्रोन्नति के लिए विचार किए जाने वाले सभी परधारियों की कम से कमतीन वर्षकी न्यूनतम प्रहेताएं सेवा या पद के भर्ती ग्रीर प्रोन्नति निथमों में विहित सेवा, जी भी कम हो, होनी चाहिए:

परन्तु यह ग्रौर कि, जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की ग्रपेक्षताग्रों के कारण प्रान्नित के विचार के लिए ग्रपाव हो जाता है वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नित के विचार के लिए ग्रपाव समझा जाएगा।

(ख) इसी प्रकार, स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर निर्धामित नियुक्ति से पूर्व 31-12-83 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए हिसाव में ली जाएगी :

परन्तु स्थायीकरण के परिणामस्वरूप तदर्थ सेवा के। हिसाब में लेकर पारस्परिक ज्येष्ठता, ग्रपरिवर्तित रहेगी।

(ग) 31-12-1983 के पश्चात् की गई तदर्भ सेवा प्रोन्नति/स्थायीकरण क प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं ली जाएगी।

टिप्पणी-2.—जब कभी नियम 2 में अनुसार पदों में बढ़ीतरी होती है तो नियम 10 और 11 में उपबन्ध, सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षित किए जाएंगे।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय प गठित को नाए।

ं जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है।

किसी सेवा था पद पर नियुक्ति । लिए अभ्यर्थी निम्न-लिखित अवश्य होना चाहिए :——

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भ्टान की प्रजा, या
- (घ) तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के ब्राश्चच से प्रवास क लिए ब्राया हो।
- (ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों, कीनिया, यूगांडा, यूनाईटिड रिपब्लिक आफ तंजानिया, (पहले टांगानिका और जंजीबार) जांबिया, मालावी, जेयरे और इथोपिया से भारत में स्थायी निवास के आध्य से प्रवास किया हो :

- 12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ।
- 13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिभाचल प्रदेश लोक सेवा मायोग से परामर्श किया जाएगा।
- (14) सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भरोक्षा ।

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ), ग्रीर (ङ) के ग्रभ्थर्थी ऐसे व्यक्ति होंने जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पालता प्रमाण-पत्न जारी किया हो। ऐसे ग्रभ्यर्थी को, जिनके मामले में, पालता का प्रमाण-पत्न ग्रावण्यक हो, हि चल प्रदेश लोक सेवा ग्रायोग या ग्रन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/साक्षात्कार में प्रवेण श्रिया जा सकेगा। किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव, भारत सरकार द्वारा उसे पालता का ग्रपेक्षित प्रमाण-पत्न जारी किए जाने के पण्चात ही दिया जाएगा।

15. ग्रारक्षण

ः उना सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा असमयन्त्रमय परच्यनुसूचित जातियों/स्रनुसूचित जन-जातियों/ पिछड़े वर्गों स्रौर स्रन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए स्रारक्षण की बाबत जारी किये गए स्रादेशों के स्रधीन होगी।

16. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना अ ग्रावश्यक या समीचीन है, तो वह कारणों को ग्राभिलिखित करके ग्रौर हिमाचल प्रदेश लोक सेवा ग्रायोग के परामर्श से, ग्रादेश हारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को, किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की वाबत, शिथिल कर सकेगी।

ं शिमला-171002, 7 दिसम्बर, 1987

सख्या एस0टी0वी0 (टी0ई0) बी0 (2) 7/85 —हिमाचल प्रदेश के राज्यपान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेश आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रक्षिक्षण-विभाग में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक वर्ग-III (अराजपितत)पद की बाबत संलग्न उपाबन्ध "ग्र" के अनुसार-निम्नलिखित भर्ती एवं प्रोन्नित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1. संक्षिप्त नाम श्रौर प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नकतीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं श्रौद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में कनिष्ठ वेतनमान श्राशुलिपिक वर्ग-III (श्रनुसचिवीय) पद के भर्ती एवं प्रोन्नित नियम, 1987 है।
 - (2) ये नियम इस म्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. पदों की संख्या, वर्गीकरण, वेतनमान, अर्हताएं श्रीर भर्ती की पद्धति.—हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं श्रीद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में किनष्ठ वेतनमान श्राश्लिपिक के पदों की संख्या, वर्गीकरण, वेतनमान, श्रह्ताएं श्रीर भर्ती की पद्धति ऐसी होगी जैसी कि उपावन्ध 'श्र' में विनिद्धिट है।
- ८ 3. निरसन ग्रौर व्यावृति —तकनीकी शिक्षा व्यावसायिक एवं ग्रौद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में इन नियमों के लिए प्रशास होने से पूर्व कनिष्ठ वेतनमान ग्राशुलिपिकों है पद के लिए यथा लागू भर्ती ग्रौर प्रोन्निति नियम एतद्द्वारा निरसित किए जाते हैं :
 - परन्तु ऐसे निरसन से, कथित नियमों के पूर्व प्रवर्तन या उनके ग्रधीन की गई किसी बात या कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उपाबन्ध 'ग्र'

तकनी की शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक वर्ग-III (अराजपिवत) के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नित नियम

1. पद का नाम

2 पदों की संख्या

3. वर्गीकरण

4. वेतनमान

5. चयन पद ग्रथवा ग्रचयन पद

 सीबी भर्ती किए जाने वाने व्यक्तियों के लिए ग्राय। कनिष्ठ वेतनमान आश्लिपिक

दो (2)

वर्ग-III (ग्रराजपत्नित)

रुपये 510--940

ग्रचयन।

लागू नहीं :

परन्तु सीधी भर्ती के किए आयु तीमा, तदर्थ या संविदा पर नियुक्ति सहित, पहले ही सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों पर लागू नहीं होगी:

परन्तु यह ग्रौर कि यदि तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया ग्रम्पर्यी इस रूप में नियुक्ति हो तारीख को ग्रधिक्वय हो गया हो तो वह तदर्थ या संविदा के ग्राधार पर नियुक्ति के कारण विहित ग्रायु में शिथिलीकरण के लिए पान्न नहीं होगा:

परन्तु यह ग्रौर कि भ्रनुसूचित जातियों/ग्रनुसूचित जन-जातियों तथा ग्रन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए ग्रिधिकतम ग्रायु सीमा में उतना ही शिथिलीकरण किया जा सकेगा जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष ग्रादेशों के ग्रजीन ग्रनुज्ञेय है:

परन्तु यह ग्रौर भी कि पिंबलक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पिंबलक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पिंबलक सैक्टर निगमों है प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पिंबलक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों में ग्रामेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में ग्रायु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को ग्रनुक्षेय है। किन्तु इस प्रकार की रियायत पिंबलक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारी-यृन्द को नहीं दी जायेगी जो पण्चात्वर्ती ऐसे निगमों/स्वायत निकायों द्वारा निगुक्त किए गए थे/किए गये हैं ग्रौर उन पिंबलक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों की सेवा में ग्रन्तिम रूप से ग्रामेलित किए गए हैं/किए गए थे।

टिप्पणी-1.—सीधी मर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी जिसमें ग्रावेदन ग्रामंत्रित करन के लिए, पद विज्ञापित या नियोजनालयों का ग्रधिसूचित किए जात हैं।

टिप्पणी-2.--ग्रन्थथा सुग्रहित ग्रभ्यथियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए ग्राय सीमा ग्रौर ग्रह्नाएं ग्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी।

- गीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।
- 8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित ग्राय ग्रार ग्रीक्षक क्ष्रहेताएं, प्रोन्नित की दशा में लागू होंगी या नहीं।
- 9. परिवीक्षा की ग्रवधि, यदि कोई हो
- द्वारा श्रौर विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता। 11 प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां, जिनसे प्रोन्नति, प्रति-नियक्ति या स्थानान्तरण किया जायेगा।

10. भर्ती को पद्धति.—भर्ती सीधी होगी या

प्रोन्नति या प्रतिनिय्क्ति या स्थानान्तरण

लागु नहीं।

ग्रायुः लागू नहीं । शैक्षिक ग्रहताएं: लागू नहीं ।

दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से म्रनधिक ऐसी म्रौर म्रवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थि-तियों में ग्रौर लिखित कारणों से म्रादेश दें।

शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ।

स्टैनो-टाईपिस्टों में से जिनका (31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा सहित) तीन वर्ष का सेवाकाल हो, प्रोन्नित द्वारा ।

टिप्पणी-1 — प्रोन्नित के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व संभरण पद में 31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, प्रोन्नित के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए निम्निलिखित शर्ती के ग्रधीन रहते हए, हिसाब में लो जायेगी:—

(क) उन सभी मामलों में जहां कोई किनष्ठ व्यक्ति, संभरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-12-83 तक की गई कुल तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार के लिए पान हो जाता है, वहां उससे विरष्ठ सभी व्यक्ति विचार के लिए पान समझे जाएंगे और विचार करते समय किनष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु प्रोन्नति के लिए विचार किए जाने वाले सभी पदधारियों की कम से कम तीन वर्ष न्यूनतम अर्हताएं सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होनी चाहिए:

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षताओं के कारण प्रोन्नति के विचार के लिए अपात हो जाता है वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात समझा जाएगा।

(ख) इसी प्रकार, स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए हिसाब में ली जाएगी:

परन्तु स्थायीकरण के परिणामस्वरूप तदर्थ सेवा को हिसाब में ले कर पारस्परिक ज्येष्ठता, ग्रपरिवर्तित रहेगी।

(ग) 31-12-1983 के पश्चात् की गई तदथ सवा, प्रोन्नति/स्थायोकरण के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं ली अएगी।

टिप्पणी-2. जब कभी नियम 2 के अनुसार पदों में बढ़ीतरी होती है तो नियम 10 और 11 के उपबन्ध सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से, पुनरीक्षित किए जाएंगे।

12. यदि विभागीय प्रोन्नित समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ।

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लाह सेवा ग्रायोग से परामर्श किया जाएगा।

14 सीबी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अरेक्षा जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है।

किसो सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी निम्नलिखित । अवश्य होना चाहिए,

(क) भारत का नागरिक; या

(ख) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भटान की प्रजा; या

(घ) तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास के लिए आया हो :

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति, जिसने पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका, पूर्वी ग्रफीका क देशों, कीनिया, यूगान्डा, यूनाइटिड रिपब्लिक ग्राफ तंजानिया (पहले तानगानिका और जन्जीबार), जांविया, मालावी, जेयरे ग्रौर इथोपिया मे, भारत में स्थायी निवास के ग्राशय से प्रवास किया हो:

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग) (घ) और (ङ) के प्रभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पावता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो ।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्न श्रावश्यक हो, हिनाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ढारा संचालित परीक्षा/साक्षात्कार में प्रवेश किया जा सक्गा। किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव, भारत सरकार द्वारा उसे पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्न जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवा में आरक्षण की बाबत जारी किये गए आदेशों के अधीन होगी।

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना ग्रावण्यक है या समीचीन है, तो वह, कारणों को ग्राभिलिखित करके ग्रीर हिमाचल प्रदेश लोक सेवा ग्रायोग के परामर्श से ग्रादेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को, किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

> ग्रादेश द्वारा, ग्रत्तर सिह, वित्तायक्त एव सचिव।

15 श्रारक्षण

16. णिथिल करने की शक्ति